

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष – 02 अंक – 282 बेमेतरा, सोमवार 08 जून 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज – 08 मूल्य – 5 रुपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025–27

संक्षिप्त समाचार

तीन बच्चों समेत 4 लोगों की मौत, रीवा सिलेंडर ब्लास्ट से दहला इलाका

रीवा। मध्य प्रदेश के रीवा जिले से एक बेहद दर्दनाक और झकझोर देने वाली खबर सामने आई है। यहाँ के पैपखरा गांव में गैस सिलेंडर से हुए रिसाव के बाद भड़की आग की चपेट में आने से एक ही परिवार के चार लोगों की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस भीषण अग्नितांडव में तीन मासूम बच्चे और उनकी बुजुर्ग दादी बुरी तरह झुलस गए थे। सभी को आनन-फानन में अस्पताल के बर्न वार्ड में भर्ती कराया गया था, लेकिन डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद इनमें से किसी को भी बचाया नहीं जा सका। एक हंसते-खेलते परिवार के चार सदस्यों की मौत से पूरे गांव में मांमम पसरा हुआ है। यह हृदयविदारक घटना चोरहटा थाना क्षेत्र के पैपखरा गांव की है। मिली जानकारी के मुताबिक, हादसे वाले दिन परिवार के लोग घर के आंगन में खाना बनाने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान एक छोटा बछड़ा अचानक उछलकूद करते हुए उस कमरे के भीतर घुस गया जहाँ रसोई गैस सिलेंडर रखा हुआ था। बछड़े के टकराने और उसकी उछलकूद की वजह से सिलेंडर जमीन पर गिर गया, जिससे उसके रेगुलेटर या पाइप से तेजी से गैस का रिसाव (लीक) होने लगा। जब तक परिवार के लोग कुछ समझ पाते, हवा में फैली गैस ने आग पकड़ ली और देखते ही देखते पूरा कमरा आग के शोलों में तब्दील हो गया।

पंजाब के फिरोजपुर में पिकअप और ट्राले की भिड़ंत

फिरोजपुर। पंजाब के फिरोजपुर में एक बड़ा सड़क हादसा हुआ है। यहां पिकअप वाहन और ट्राले की आमन-सामने जोरदार टक्कर हो गई है। इस हादसे में 8 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है और 10 से ज्यादा लोग घायल हैं। घायलों में कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। यह घटना फिरोजपुर-फाजिल्का मार्ग पर जंगावाला मोड़ के पास हुई। फिलहाल घायलों को फिरोजपुर के सिल्विल अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस ने बताया कि पिकअप में करीब 25 लोग सवार थे और वे जलालाबाद से अमृतसर के ब्यास जा रहे थे। ये सभी लोग किसी परिजन की अस्थियां विसर्जित करने के लिए जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी भयानक थी कि पिकअप का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें बैठे कई लोग अंदर ही फंस गए।

वकील ने आत्मसमर्पण करने की खबरों को गलत बताया

पटना। बिहार के प्रसिद्ध शिक्षक और खान ग्लोबल स्टडीज के संस्थापक फैजल खान (खान सर) ने कोचिंग संस्थान में हुई हिंसा और कथित गोलीबारी के मामले में जमानत याचिका दायर की है। उनके वकील ने कहा कि वे आत्मसमर्पण नहीं करेंगे। इससे पहले खबर आई थी कि खान सर आत्मसमर्पण करने जा रहे हैं। इस मामले में खान सर के खिलाफ आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज हुआ था। इसके बाद से ही पुलिस उनकी तलाश में जुटी थी।

इजरायल का लेबनान पर भीषण हमला

150 ठिकाने ध्वस्त-ब्रिगेडियर जनरल समेत 12 की मौत

नई दिल्ली/ एजेंसी

इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अंतरराष्ट्रीय दबाव और मध्यस्थता की कोशिशों को दरकिनार करते हुए दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा सैन्य अभियान छेड़ दिया है। जानकारी के अनुसार, इजरायली रक्षा बलों ने हिजबुल्लाह से जुड़े लगभग 150 ठिकानों पर भीषण हवाई हमले किए हैं। इन हमलों के बाद शांति वार्ता की उम्मीदों को एक बार फिर गहरा झटका लगा है।इस सैन्य कार्रवाई में सबसे चौंकाने वाली खबर लेबनान की नियमित सेना को हुए नुकसान से जुड़ी है। लेबनानी सेना के आधिकारिक बयान के अनुसार, 'खारदाली-नबातीह

मार्ग पर एक सैन्य वाहन को इजरायली मिसाइल का निशाना बनाया गया। इस हमले में लेबनानी सेना के ब्रिगेडियर जनरल वस्साम सबरा और कैप्टन एली खोरी की मौके पर ही मौत हो गई। उनके साथ एक अन्य सैनिक हुसैन गोजल ने भी अपनी जान गंवाई है। इजरायली सेना ने इस घटना पर सफाई देते हुए कहा है कि यह हमला एक युद्ध क्षेत्र में हुआ था। जहां हालात पहले से ही तनावपूर्ण बने हुए हैं। लेबनान के शीर्ष नेतृत्व ने इस हमले को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने इसे लेबनानी संप्रभुता का खुला उल्लंघन करार दिया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि वे इजरायल की इस 'क्रूर आक्रामकता' को रोकने के



लिए दखल दें, जो अंतरराष्ट्रीय कानूनों और मानदंडों की ध्वजियां उड़ा रही है। वहीं, लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने भी हमले की निंदा करते हुए शहीद अधिकारियों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। लेबनानी सेना का आरोप है कि

इजरायल जानबूझकर ऐसे हमले कर रहा है ताकि शांति की किसी भी संभावना को विफल किया जा सके। यह हमला उस समय हुआ है जब अमेरिका की मध्यस्थता में दोनों देशों के बीच सशर्त युद्धविराम पर सहमति बनने की खबरें आ रही थीं।

हालांकि, प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि वे हिजबुल्लाह को कोई रियायत नहीं देंगे। हाल के हफ्तों में हिजबुल्लाह द्वारा उत्तरी इजरायल और दक्षिणी लेबनान में इजरायली सेना पर 'फाइबर ऑप्टिक ड्रोन' से किए गए हमलों ने तनाव को और भी गंभीर बना दिया। इसके जवाब में इजरायली वायुसेना ने न केवल दक्षिणी लेबनान, बल्कि पूर्वी बेका घाटी में भी हिजबुल्लाह के रणनीतिक ठिकानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। नेतन्याहू ने लेबनानी चरमपंथी समूहों पर हमले और तेज करने का संकल्प दोहराया है, जिससे आने वाले दिनों में संघर्ष और गहराने के संकेत मिल रहे हैं।

ट्रंप का बड़ा दावा अमेरिका के पास दुनिया का सबसे ज्यादा तेल-गैस

ट्रंप ने दावा किया है कि अमेरिका के पास अब दुनिया के किसी भी अन्य देश की तुलना में सबसे अधिक तेल, गैस और कोयला जैसे ऊर्जा संसाधन मौजूद हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने ऊर्जा के क्षेत्र में अमेरिका की बढ़ती ताकत और अन्य देशों के साथ अपने रणनीतिक संबंधों को लेकर कई महत्वपूर्ण बातें कहीं हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला के साथ अमेरिका के वर्तमान संबंधों को लेकर कहा कि वेनेजुएला के साथ अमेरिका के संबंध बहुत अच्छे हैं। इसके बाद ट्रंप ने एक चौंकाने वाला आंकड़ा पेश करते हुए कहा कि यदि अमेरिका के संसाधनों में वेनेजुएला के संसाधनों को भी जोड़ दिया जाए, तो दुनिया की कुल ऊर्जा का लगभग 64 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं के पास होगा। उन्होंने इस स्थिति को 'अविश्वसनीय' करार दिया। ट्रंप के अनुसार, वेनेजुएला के लोग अमेरिका से प्यार करते हैं और वहां की स्थिति से खुश हैं।

सात दिनों में इस्तीफा दें धर्मेंद्र प्रधान

दिल्ली के जंतर-मंतर से सीजेपी मुखिया दीपके का अल्टीमेटम, देशव्यापी आंदोलन का फूंका बिगुल

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर काँकरोच जनता पार्टी के बैनर तले हजारों छात्रों और युवाओं ने शिक्षा व्यवस्था में कमियों के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। आंदोलन के संस्थापक अभिजीत दीपके ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के लिए सात दिनों का अल्टीमेटम दिया है। इस शांतिपूर्ण आंदोलन को सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का भी पूरा समर्थन मिला है। देश की राजधानी दिल्ली का जंतर-मंतर एक बार फिर बड़े आंदोलन का गवाह बना। रविवार को 'काँकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने केंद्र सरकार को दो टूक चेतावनी दे दी। उन्होंने साफकहा कि जंतर-मंतर पर हुआ प्रदर्शन तो महज एक ट्रेलर था। अगर

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने अगले सात दिनों में इस्तीफा नहीं दिया या उन्हें पद से नहीं हटाया गया, तो यह आंदोलन देशव्यापी रूप अख्तियार कर लेगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखे अपने पोस्ट में दीपके ने शनिवार के प्रदर्शन को ऐतिहासिक करार दिया। उन्होंने कहा कि यह भारी भीड़ देश की शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ युवाओं और छात्रों के गुस्से का प्रतीक है। दीपके ने लिखा, 'कल हजारों लोगों ने मिलकर एक नया इतिहास रचा।

जंतर-मंतर पर हमारे शांतिपूर्ण प्रदर्शन ने सरकार को यह दिखा दिया कि जब आम जनता एकजुट होती है, तो उसमें कितनी ताकत होती है।'इस प्रदर्शन की सबसे खास बात यह रही कि इसमें शामिल होने वाले



अधिकांश लोग पहली बार किसी आंदोलन का हिस्सा बने थे। भीषण गर्मी और तपती धूप के बावजूद छात्र, नौजवान और बच्चे बड़ी संख्या में अपनी आवाज उठाने पहुंचे थे। दीपके के मुताबिक, सामूहिक उपस्थिति

ने लोगों को हिम्मत दी। इसी हौसले के दम पर उन्होंने शिक्षा प्रणाली के खिलाफ अपना गुस्सा खुलकर जाहिर किया। उन्होंने सभी समर्थकों का आभार जताते हुए कहा कि जब तक हम अपनी आवाज बुलंद नहीं करेंगे, तब तक व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं आ सकता। आंदोलनकारियों ने अब आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। दीपके ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर पूरी एक पीढ़ी का भविष्य बर्बाद करने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई यहीं खत्म होने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर सात दिन के भीतर शिक्षा मंत्री अपने पद से नहीं हटते हैं, तो हम जमीन पर उतरकर बड़े पैमाने पर आंदोलन जारी रखने के लिए मजबूर होंगे।

केरल में भारी बारिश, पांच जिलों में रेड अलर्ट घोषित, चार लोगों की मौत

तिरुवनंतपुरम। केरल में मानसून के आ जाने के बाद बारिश का दौर शुरू हो गया है। इसी के मद्देनजर भारतीय मौसम विभाग ने पांच जिलों में रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं बारिश से जुड़ी घटनाओं और सड़क हादसों में चार लोगों की मौत हो गई है। मौसम विभाग ने कासरगोड, कन्नूर, वायनाड, कोझिकोड और मलप्पुरम जिलों में रेड अलर्ट जारी है। इस बीच, पठनमथिद्वा, कोट्टायम, इडुक्की, एर्णाकुलम, त्रिशूर और पलक्काड़ के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जबकि तिरुवनंतपुरम, कोल्लम और अलप्पुझा के लिए यलो अलर्ट रखा गया है। खराब मौसम को देखते हुए, जिला कलेक्टरों ने मलप्पुरम को छोड़कर, रेड अलर्ट वाले चार जिलों में व्यावसायिक कॉलेजों समेत सभी शिक्षण संस्थानों में छुट्टी घोषित कर दी गई है।

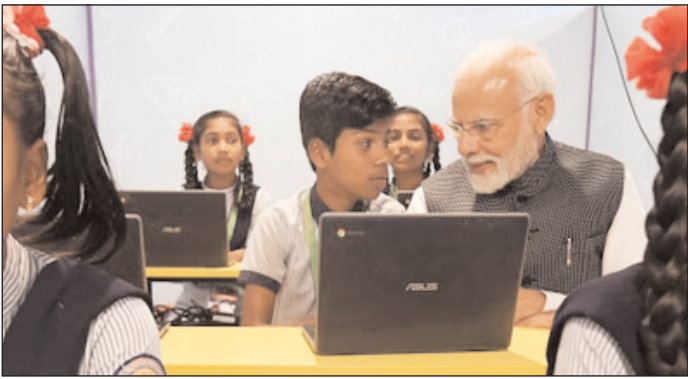
मोदी सरकार में 1 लाख सरकारी स्कूल बंद

प्राइवेट स्कूलों की संख्या 14 प्रतिशत बढ़ी-यूपी सबसे ज्यादा

नई दिल्ली/ एजेंसी

देश के भीतर एक के बाद एक पेपर लीक की घटना ने शिक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। वहीं, सरकारी शैक्षणिक संस्थाओं की तुलना में तेजी से बढ़ते प्राइवेट संस्थानों की संख्या भी लोगों के लिए चिंता का विषय बन रहा है। लोगों का ऐसा कहना है कि शिक्षा का बाजारीकरण होने से पेपर लीक और परीक्षाओं में गड़बड़ी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। देश में शिक्षा व्यवस्था के मुद्दे पर संसद से लेकर नीति आयोग की हालिया रिपोर्टों में एक बेहद चौंकाने वाला सच सामने आया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक दशक (2014-15 से 2024-25) के दौरान भारत में सरकारी स्कूलों के बुनियादी

ढाँचे में बड़ा फेरबदल हुआ है। जहां एक तरफ हजारों सरकारी स्कूलों पर ताला लटका है या उन्हें दूसरे स्कूलों में मर्ज (विलय) कर दिया गया है, वहीं दूसरी तरफ प्राइवेट स्कूलों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा लोकसभा में दी गई जानकारी और नीति आयोग की लेटेस्ट रिपोर्ट 'स्कूल एजुकेशन सिस्टम इन इंडिया' के अनुसार, वर्ष 2014-15 में देश में सरकारी स्कूलों की कुल संख्या 11,07,101 थी, जो वर्ष 2024-25 तक घटकर लगभग 10,13,000 रह गई है। इसका सीधा मतलब यह है कि पिछले 10 वर्षों में देश भर में लगभग 94,000 सरकारी स्कूल कम हुए हैं, जो कि 8वें की गिरावट की दरशाती है। इसके ठीक उलट, इसी समय के दौरान प्राइवेट



स्कूलों की संख्या 2.88 लाख से बढ़कर 3.39 लाख हो गई है, जिसमें लगभग 14.9वें की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सरकारी स्कूलों के बंद होने या विलय होने की इस रफ्तार में देश के दो बड़े राज्य सबसे आगे रहे हैं। कुल बंद हुए

स्कूलों में से अकेले 60.9 प्रतिशत स्कूल उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश से हैं। इस लिस्ट में मध्य प्रदेश सबसे आगे हैं, जहां सरकारी स्कूलों की संख्या में 24.1 प्रतिशत की भारी गिरावट आई है। यह आंकड़ा 2014-15 के 1,21,849 स्कूलों

से घटकर अब 92,439 रह गया है, जो कि 29,410 स्कूलों की कमी दर्शाता है। इसके अलावा यूपी में सरकारी स्कूलों की संख्या 1,62,228 से घटकर 1,37,102 रह गई है, जो 25,126 स्कूलों की कमी को उजागर करता है।हालांकि, इसी दौरान उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 19,305 नए प्राइवेट स्कूल भी खुले हैं। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के अलावा ओडिशा में 17.1 प्रतिशत, अरुणाचल प्रदेश में 16.4 प्रतिशत, और झारखंड में 13.4 प्रतिशत सरकारी स्कूल कम हुए हैं। इस विपरीत लहर के बीच बिहार में सरकारी स्कूलों की संख्या में 5वें की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो 74,291 से बढ़कर 78,120 हो गई है। बदा दें कि बिहार उन राज्यों में से एक जहां, आज भी कई इलाकों में प्राथमिक स्कूल की समस्या बनी हुई है।

स्कूल बंद होने या घटने की मुख्य वजहें

सरकार और नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, स्कूल बंद होने के पीछे कई प्रमुख कारण हैं : स्कूल मंजर पॉलिसी : राष्ट्रीय शिक्षा नीति और अन्य सुधारों के तहत, कम दूरी पर स्थित और कम नामांकन वाले छोटे स्कूलों को पास के बड़े एकीकृत स्कूलों में मिला दिया गया है, ताकि संसाधनों और शिक्षकों का बेहतर इस्तेमाल हो सके। जीरो एनरोलमेंट : शिक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, देश के 5,149 सरकारी स्कूल ऐसे हैं जहां एक भी छात्र नामांकित नहीं है (इनमें से 70 प्रतिशत से अधिक स्कूल केवल तेलंगाना और पश्चिम बंगाल में हैं)। इसके अलावा, 10 से कम छात्र संख्या वाले स्कूलों की तादाद भी बढ़कर 65,054 हो गई है। प्राइवेट स्कूलों की तरफ झुकाव : ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में भी अभिभावकों का रुझान तेजी से निजी स्कूलों की तरफ बढ़ा है।



प्रतिभाओं के सम्मान से गौरवान्वित हुआ चौहान समाज, शिक्षा और करियर मार्गदर्शन का मिला अमूल्य संदेश

बरमकेला/मूक पत्रिका

अधरिया भवन बरमकेला में चौहान समाज ब्लॉक इकाई द्वारा प्रतिभावान छत्र-छात्राओं के सम्मान समारोह एवं करियर मार्गदर्शन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों, शिक्षाविदों एवं समाजजनों की गरिमामयी उपस्थिति रही। मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान कर उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में सफल संचालन राजेंद्र चौहान व गोपाल बाधे ने किया, कार्यक्रम मे चातुरी नन्द विधायक सराईपाली,पूर्व कलेक्टर के.एल. चौहान, जनपद अध्यक्ष डॉ. विद्या किशोर चौहान, डॉ गोविन्द चौहान , शिक्षा विभाग के नरेश चौहान (डीएमसी) डॉ. किशोर चौहान सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने शिक्षा को समाज की प्रगति का आधार बताते हुए विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम को संबोधित



करते हुए पूर्व कलेक्टर के.एल. चौहान ने कहा कि, «शिक्षा केवल रोजगार का साधन नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और समाज परिवर्तन का सबसे प्रभावी माध्यम है। आज सम्मानित हो रहे विद्यार्थी आने वाले समय में समाज और देश का नेतृत्व करेंगे। सफलता उन्हीं को मिलती है जो कठिन परिश्रम, अनुशासन और दृढ़

संकल्प के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते हैं।» वहीं सराईपाली विधायक चातुरी नंद ने अपने संबोधन में कहा कि, «प्रतिभाओं का सम्मान करना समाज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। चौहान समाज द्वारा शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा यह प्रयास अत्यंत सराहनीय है। शिक्षित युवा ही समाज

और राष्ट्र की असली ताकत होते हैं। आज के विद्यार्थी कल के अधिकारी, डॉक्टर, इंजीनियर और जनप्रतिनिधि बनकर समाज का नाम रोशन करेंगे।» उन्होंने विद्यार्थियों से बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने के लिए निरंतर संघर्ष करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं अभिभावकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। करियर मार्गदर्शन सत्र में विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं, उच्च शिक्षा एवं रोजगार के अवसरों की विस्तृत जानकारी दी गई। पूरे आयोजन में शिक्षा के प्रति जागरूकता, सामाजिक एकता और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य को लेकर सकारात्मक माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर समाजजनों ने चौहान समाज ब्लॉक इकाई बरमकेला की सराहना करते हुए इसे शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रेरणादायी पहल बताया। इस मौके पर बिधिकेशन चौहान ब्लॉक अध्यक्ष, संकीर्तन नन्द ब्लॉक सचिव, गोपाल प्रसाद बाधे कार्यकारी जिलाध्यक्ष, राजेंद्र चौहान, उजागर नन्द, कमल चौहान, गुण महानन्द, देवराज दीपक, चमरा चौहान, सुभाष चौहान, गोवर्धन चौहान उपस्थित रहे !

अश्लील गालिया देकर जान से मारने की धमकी देने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

बेमेतरा/मूक पत्रिका

प्राथी गुलशन कुमार मनहरे उम्र 23 वर्ष, निवासी धौराभांठ थांना साजा जिला बेमेतरा ने दिनांक 21.05.2026 को रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 19.05.2026 के 04:30 बजे यह साजा तहसील कार्यालय के अपने चेम्बर में बैठकर काम कर रहा था उसी दौरान अकलेश मनहरे इनके चेम्बर में घुसकर तुम मेरे व मेरे भाईयो का शराब बेचने के संबंध में शिकायत किये हो कहकर अश्लील गालिया देकर जान से मारने की धमकी दिया है शराब बेचना बंद नहीं करूंगा कहकर धमकी देते हुए चला गया कि रिपोर्ट पर अपराध सदर धारा- 296, 351(3), 333 ब्रह्म पंजीबद्ध कर



विवेचना में लिया गया। उक्त घटना के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। जिस पर पुलिस उप महानिरीक्षक रामकुण साहू (भा.पु.से.) ने तत्काल आरोपी के विरूद्ध आवश्यक कार्यवाही करने निर्देश दिए। जिसके तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इरीश कुमार यादव एवं एसडीओपी बेरला विजय कुमार

के मार्गदर्शन में थांना साजा प्रभारी निरीक्षक रोशन लाल टाण्डे को अपराध विवेचना हेतु थाना स्टाफ के साथ लगाया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान आरोपी अकलेश मनहरे उर्फ अखिलेश पिता विजय मनहरे उम्र 29 साल साकिन धौराभांठ थांना साजा जिला बेमेतरा को दिनांक 06 मई 2026 को न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। उपरोक्त कार्यवाही में थांना साजा प्रभारी निरीक्षक रोशन लाल टाण्डे, प्रधान आरक्षक विजेन्द्र सिंह, दुर्गेश तिवारी, आरक्षक अर्जुन ध्वनें, गोकुल सोनी एवं अन्य स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

रेडक्रॉस में अविनाश सिंह गौतम को मिली नई जिम्मेदारी, ब्लड बैंक के अध्यक्ष बनाए गए



कार्यक्रमों को बेहतर ढंग से संचालित करने के उद्देश्य से अविनाश सिंह गौतम को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। अविनाश गौतम लंबे समय से सामाजिक कार्यों और जनसेवा से जुड़े रहे हैं। उनकी नियुक्ति के बाद रेडक्रॉस से जुड़े सदस्यों, समाजसेवियों और शुभचिंतकों ने

उन्हें बधाई देते हुए नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दी हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि उनके नेतृत्व में जिले में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने के प्रयासों को मजबूती मिलेगी। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर जिले में विभिन्न रक्तदान और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने की तैयारी भी शुरू हो चुकी है।

जगदलपुर /मूक पत्रिका

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा बस्तर ने अपने सक्रिय सदस्य अविनाश गौतम को ब्लड बैंक उपसमिति का अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू कर दी गई है। जानकारी अनुसार ब्लड बैंक उपसमिति की गतिविधियों को और अधिक सक्रिय बनाने तथा रक्तदान से जुड़े

7 साल से बच्चों को मुफ्त में हुनर सिखा रही शिक्षिका की पालकों ने की सराहना

चांपा /मूक पत्रिका

गर्मी की छुट्टियों में बच्चों का समय सार्थक बनाने के लिए शासकीय प्राथमिक शाला सेंटी की शिक्षिका ममता जायसवाल पिछले 7 साल से बच्चों को बुनियादी शिक्षा के साथ साथ निःशुल्क समर कैंप में हुनर सिखा रही है। बिना एक रुपया लिए वो बच्चों को अनेक रचनात्मक गतिविधियों से जोड़कर पढ़ाई के साथ साथ कला , विज्ञान ,खेल और जीवन कौशल की प्रशिक्षण देती है। स्वयं के खर्च से बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में उनके द्वारा की जा रही पहल की पालकों ने जमकर सराहना की। पालकों का कहना है कि मोबाइल और टीवी में फसे बच्चों को समर कैंप में नई दिशा दी है। पालक लक्ष्मीनारायण श्रीवास ने कहा कि फ़ैस तो दूर मेडम खुद खर्च करती है मेरी बेटी मेडम के पास सीखने जाती है आज तक उन्होंने एक रुपया भी नहीं लिया है। उल्टे



समापन पर मेडम खुद अपने पैसे से बच्चों को गिफ्ट देती है। अच्छ प्रदर्शन करने वालों को प्रोत्साहित कर ईनाम देती है।उनकी जितनी भी सराहना की जाए कम है।पालक सुरेश वस्त्रकार एवं गणेश पटेल ने कहा कि बच्चों के प्रति उनका समर्पण और उनका जज्बा सबके लिए प्रेरणा है ।

7 साल से निःस्वार्थ सेवा करना हर किसी के बस की बात नहीं है । समर कैम्प में बच्चे उत्साह से जाते है और अपना हुनर दिखाते है । मेडम के द्वारा ग्रामीण बच्चों के लिये जो यह कार्य किया जा रहा है बहुत ही सराहनीय है । मेडम जैसा बच्चों के

गोबरसिंहा में विकास कार्यों की रफ्तार तेज, सरपंच उज्जवल मिरी के नेतृत्व में कई निर्माण कार्य पूरे, ग्रामीणों में खुशी

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक

पत्रिका

ग्राम पंचायत गोबरसिंहा में इन दिनों विकास कार्यों की रफ्तार तेज हो गई है। सरपंच उज्जवल मिरी के नेतृत्व में गांव में सीसी रोड, नाली निर्माण और बाजार परिसर के मरम्मत कार्यों सहित कई बड़े निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं। लगातार हो रहे इन कार्यों से ग्रामीणों में उत्साह और संतोष का माहौल देखने को मिल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक लगभग 10 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड निर्माण, 10 लाख रुपये की लागत से बाजार परिसर में सीसी रोड, 10 लाख रुपये की लागत से नाली निर्माण, 5 लाख रुपये से बाजार परिसर शेड मरम्मत कार्य तथा 13 लाख रुपये की लागत से एक अन्य सीसी रोड निर्माण कार्य पूरा कराया गया है। इन कार्यों के पूरा होने से गांव की बुनियादी सुविधाओं



में सुधार देखने को मिल रहा है।सरपंच उज्जवल मिरी ने बताया कि पंचायत की जिम्मेदारी संभालने के बाद से ही गांव की समस्याओं को प्राथमिकता में रखते हुए सबसे पहले हर मोहल्ले और आम नागरिक तक पानी बिजली और सड़क को लेकर एक विस्तृत रूप में विकास योजनाओं को चरणबद्ध तरीके से लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में शेष विकास कार्यों को भी जल्द पूरा कराया जाएगा ताकि गांव को और बेहतर सुविधाएं मिल सकें। ग्रामीण ललित तेजेश्वर पटेल ने कहा कि गांव में पहले की तुलना में काफी सुधार हुआ

है और बाजार क्षेत्र व मुख्य मार्गों की स्थिति बेहतर हुई है साथ ही जिस सासाहिक हाट बाजार परिसर जो विगत कई वर्षों से बरसात के दिनों में कीचड़ और पानी से निजात दिलाने का उपाय किया गया है जो हमारे ग्राम पंचायत गोबरसिंहा के ही नागरिक नहीं बल्कि आसपास के लगभग 20 ग्रामों के नागरिक तारीफ करते हुये से नहीं थक रहे हैं। वहीं एक और ग्रामीण मेघनाथ बोरठ ने बताया कि निर्माण कार्यों से आवागमन आसान हुआ है और ग्रामीणों को सीधा लाभ मिल रहा है। सरपंच ने भी आश्वासन दिया है कि विकास कार्यों की गति आगे भी जारी रहेगी।

बेमेतरा में किसानों की समस्याओं पर मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन 10 जून को*

बेमेतरा/मूक पत्रिका

किसानों और आम नागरिकों की विभिन्न समस्याओं के समाधान को लेकर भारतीय किसान संघ, जिला बेमेतरा द्वारा 10 जून 2026 को तहसील कार्यालय को ज्ञापन सौंपेगी । यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे तहसील कार्यालय बेमेतरा के सामने आयोजित होगा।

और किसानों से जुड़े राजस्व, बिजली, कृषि, खाद वितरण, डीजल-पेट्रोल उपलब्धता तथा सहकारी समितियों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। किसानों की समस्याओं को संबंधित विभागों तक पहुंचाकर उनके समाधान के लिए पहल करने का प्रयास किया जाएगा।

संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि खेती-किसानी से जुड़ी अनेक समस्याओं का सामना कर रहे

किसानों के लिए यह मंच अपनी बात प्रशासन तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण अवसर होगा। कार्यक्रम में जिले भर के किसानों एवं आम नागरिकों से अधिक संख्या में शामिल होकर अपनी समस्याएं और सुझाव रखने की अपील की गई है। कार्यक्रम विवरण स्थान: तहसील कार्यालय के सामने, बेमेतरा तिथि: 10 जून 2026 (बुधवार) समय: प्रातः 11:00 बजे आयोजक: भारतीय किसान संघ, जिला बेमेतरा इस कार्रवाई के माध्यम से किसानों की आवाज को प्रभावी ढंग से प्रशासन तक पहुंचाने और समस्याओं के निराकरण की दिशा में ठोस पहल किए जाने की उम्मीद जताई गई है।

ब्लैकमेलिंग से तंग युवक के जहर खाने के मामले में महिला आरोपी गिरफ्तार



बिलासपुर के अस्पताल में भर्ती है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

पंडित युवक ने थांना अकलतरा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि राजनादगांव जिले की महिला आरोपी ने उसके निजी और आपत्तिजनक फोटो मोबाइल के माध्यम से भेजे तथा उन्हें सार्वजनिक करने की धमकी देकर पैसे की मांग की । लगातार दबाव और धमकियों से परेशान होकर युवक ने आत्महत्या का प्रयास किया।

12- 15 दिनों से चल रही थी ब्लैकमेलिंग

जांच में सामने आया कि पंडित और महिला आरोपी एक-दूसरे को पहले से जानते थे। बीते 12 से 15 दिनों के दौरान महिला आरोपी ने पंडित के निजी फोटो न केवल उसे बल्कि उसके परिजनों के मोबाइल पर भी भेजे और इंस्टाग्राम पर वायरल करने की धमकी दी। लगातार प्रताड़ना के चलते युवक ने यह कदम उठाया। पुलिस ने प्रकरण में धारा 308(2) बीएनएस एवं 67 आईटी एक्ट में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। पड़ताछ के दौरान आरोपी महिला ने जुर्म स्वीकार किया, जिसके बाद उसके मोबाइल को जब्त कर लिया गया। मोबाइल में मौजूद व्हाट्सएप चैट और अन्य डिजिटल साक्ष्य जांच में अहम सबूत बने हैं। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में निरीक्षक भास्कर शर्मा, उप निरीक्षक विनोद जटवार, प्रशिक्षु उप निरीक्षक दिव्या कुर्ें तथा आरक्षक राजा रात्रे का विशेष योगदान रहा।

लेकिन लापरवाही की निजी भूमि में बिना किसी अनुमति के हो रहा डबरी निर्माण

डबरी निर्माण की स्वीकृति खसरा न. 594 पर की गई

रायगढ़/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ के ग्रामीण इलाकों में विकास कार्यों के नाम पर किस कदर लापरवाही और भ्रष्टाचार का खेल चरम पर है इसका एक जीता जागता उदाहरण रायगढ़ जिले के जनपद पंचायत रायगढ़ के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत तारापुर का है यहां सरकारी कागजों में जिस डबरी की स्वीकृति खसरा नंबर 594 पर की गई थी इसका निर्माण लापरवाही की सारी हदें पार करते हुए निजी स्वामियों की भूमि खसरा नंबर 485/1 और 485/2 पर डबरी निर्माण का कार्य शुरू कर दिया गया जब ग्रामीणों और पीड़ित भूमि स्वामियों को पता चलने पर शिकायत की तो पंचायत स्तर पर हड़कंप मच गया जब हमने इस मामले में सरपंच से बात की तो उनका गैर जिम्मेदाराना रवैया से मैं अभी ग्राम सभा में हूं बाद में आपसे बात करता हूं इतना कह कर पल्ला झाड़ने की कोशिश इस पूरे मामले में एक बड़े भ्रष्टाचार की ओर इशारा कर रहा है



अतिरिक्त तहसीलदार के निर्देश पर हुआ ध्यान नहीं दिया जांच में हुआ बड़ा खुलासा

पीड़ित आवेदक रोहित कुमार पटेल/ पिता सुधिश्रिष्ठ पटेल की शिकायत पर अतिरिक्त तहसीलदार रायगढ़ के आदेशानुसार राजस्व हमला

स्थल जांच के लिए ग्राम तारापुर पहुंचा जांच के दौरान को पंचनामा तैयार किया गया उसने पंचायत के कार्य प्रणाली पर पूरी तरह पोल खोल कर रख दी मौके पर पाया गया कि रोहित कुमार पटेल की भू स्वामी हक की जमीन खसरा नंबर 485/1 के 0.034 हेक्टेयर हिस्से पर और तेजराम पटेल की जमीन खसरा नंबर 485/2 पर बिना किसी अनुमति के घड़छड़े से डबरी निर्माण का कार्य कराया जा रहा है विडंबना की बात यह है ग्राम

कोटवार द्वारा मौखिक सूचना दिए जाने के बावजूद भी तारापुर के सरपंच मौके पर उपस्थित नहीं हुए जिससे सरपंच की भूमिका पर और संदेह बढ़ गया वही मौके पर उपस्थित ग्रामीणों ने यह भी गवाही दी कि उक्त विवादित भूमि लगभग पिछले 56 वर्षों से मनीराम सिदार और उसके परिवार का कब्जा है

बिना दस्तावेज कैसे स्वीकृत हो गया सरकारी फंड हो गया पैदा होते है कई बड़े सवाल?

पंचायती राज व्यवस्था में बिना सरपंच, सचिव व रोजगार सहायक व जनपद पंचायत के अधिकारियों की मिली भगत का यह कहना मुझे पता नहीं है बाद में बात करते हैं विडंबना यह है कि जो जानकारी सामने आ रही है जिस जमीन पर नगरी निर्माण का कार्य हुआ है वहीं जमीन सरपंच के पिताजी की है बिना सीमांकन और बिना खसरा न.मिलान बिना किए कार्य की प्रशासनिक स्वीकृति दे दी गई, वह वित्तीय

स्वीकृति होना भी यह सीधे तौर पर सरपंच, सचिव व रोजगार सहायक व जनपद पंचायत के अधिकारियों की मिली भगत की ओर इशारा करता है जिस कार्य के लिए पैसा स्वीकृत हुआ वह पैसा उसे जमीन में न लागकर दूसरी जमीन में लगा रहा है जो सीधे तौर पर वित्तीय गबन और भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है अगर पीड़ित किसान इस मामले को अतिरिक्त तहसीलदार के पास नहीं जाते तो यह मामला उजागर नहीं होता

सरपंच, सचिव व रोजगार सहायक एवं जिम्मेदार दोषी अधिकारियों पर कार्यवाही कब?

यह मामला सिर्फएक डबरी निर्माण मे गड़बड़ी का नहीं है बल्कि यह ग्रामीण विकास के नाम पर आने वाले फंड का दुरुपयोग और प्रशासनिक लापरवाही का एक गंभीर मामला है बिना दस्तावेजों की जांच किए काम शुरू करवा देना और राशि आहरित कर लेना बिना उच्च अधिकारियों और सरपंच सचिव व रोजगार

सहायक कि साठागंठ के मुमकिन नहीं है स्थानीय ग्रामीण और पीड़ितों ने अब इस मामले में निष्पक्ष उच्च स्तरीय जांच की मांग की है बहरहाल अब आगे यह देखना होगा कि जिला प्रशासन किस मामले में दोषी सरपंच, सचिव, रोजगार सहायक व संबंधित तकनीकी अधिकारियों पर क्या दंडात्मक कार्यवाही करते हैं

क्या कहते हैं सरपंच तारापुर = सरपंच को हमने उनका पक्ष जानने के लिए दूरभाष के माध्यम से संपर्क किया सरपंच ने फोन उठया और कहा बाद में मैं प्री होकर बात करता हूं इतना कह कर उन्होंने अपना पल्ल झाड़ लिया क्या कहते हैं रोजगार सहायक ग्राम पंचायत तारापुर= जब हमने इस मामले की जानकारी लेने के लिए रोजगार सहायक को दूरभाष के माध्यम से संपर्क किया लेकिन रोजगार सहायक द्वारा फोन नहीं उठया गया क्या कहते हैं सचिव ग्राम पंचायत तारापुर= ग्राम पंचायत सचिव ने पूरा ठीकरा जमीन मालिक पर छोड़ते हुए कहा कि जमीन मालिक ने पहले दूसरे जमीन के कागज दिखाए थे बाद में दूसरी जमीन के कागज दे दिए

Samsung इनोवेशन कैंपस : देशभर के 30 टॉपर्स को मिलेगा 1 लाख का पुरस्कार

गुरुग्राम। Samsung भारत ने Samsung इनोवेशन कैंपस ’ (SIC) कार्यक्रम के तहत देश भर से 30 मेधावी छात्रों को सम्मानित किया; इसके अंतर्गत, प्रत्येक टॉपर को चार पाट्यक्रमों—आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), कोडिंग और प्रोग्रामिंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT) और बिग डेटा—में उनके असाधारण प्रदर्शन के लिए 1 लाख रुपये का पुरस्कार दिया गया। पुरस्कार पाने वालों में चार नेशनल टॉपर, 26 राज्य-स्तरीय टॉपर और एक सोशल मीडिया चैंपियन शामिल थे। इन सभी को सैमसंग इनोवेशन कैंपस (Samsung Innovation Campus) के जरिए ट्रेनिंग पाए 20,000 छात्रों में से चुना गया था; यह कंपनी का मुख्य छ्त्क प्रोग्राम है। 2025 बैच से चुने गए छात्र 10 अलग-अलग राज्यों से हैं, जो यह दिखाता है कि भारत के पारंपरिक इनोवेशन केंद्रों से बाहर भी टेक्नोलॉजी से जुड़ा टैलेंट तेज़ी से फैल रहा है। टॉपर्स को गुरुग्राम में Samsung भारत के हेडक्वार्टर में, Samsung दक्षिण-पश्चिम एशिया के प्रेसिडेंट और CEO, JB Park की मौजूदगी में सम्मानित किया गया। JB Park, प्रेसिडेंट और CEO, Samsung Southwest Asia ने इस मौके पर कहा, जब मैं आप सभी को देखता हूँ, तो मुझे सिर्फ स्टूडेंट्स ही नहीं दिखते। मुझे भविष्य के इंजीनियर्स, क्रिएटर्स, एंटरप्रेन्योर्स, रिसर्चर्स और शायद भविष्य के CEOs दिखते हैं।डू, कोडिंग और डेटा अब सिर्फ़कल के स्किल्स नहीं हैं; ये आज के स्किल्स हैं। इनोवेशन के लिए जिज्ञासा, मजबूती और असफलता से सीखने का साहस चाहिए। सीखते रहिए, बदलते हालात के हिसाब से ढलते रहिए और आगे बढ़ते रहिए।

सैमसंग ने एआई पावर वाले रोज़ाना के हेल्थ कंपैनिनयन के लिए नए गैलेक्सी वॉच फीचर्स लॉन्च किए

सेओल, कोरिया। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी लिमिटेड ने आज सैमसंग हेल्थ ऐप के लिए एक बड़े अपडेट की घोषणा की है, जो आने वाली गैलेक्सी वॉच को एक सक्रिय और समझदार हेल्थ पार्टनर में बदल देगा। 8 जून से सैमसंग इस ऐप अपडेट को रोल आउट करना शुरू कर देगा ताकि आगामी गैलेक्सी वॉच में मिलने वाले मुख्य हेल्थ फीचर्स की झलक दिखाई जा सके। यह अपडेट रात की नींद से लेकर दिनभर की गतिविधियों तक के जटिल बायोमेट्रिक डेटा को सरल और काम आने वाले सुझावों में बदलकर रोज़ाना के स्वास्थ्य प्रबंधन को बहुत आसान बना देता है। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के मोबाइल एक्सपीरियंस (MX) बिजनेस में डिजिटल हेल्थ टीम के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और हेड, होन पाक ने कहा, सैमसंग हेल्थ ऐप अब गैलेक्सी वॉच द्वारा मांпе गए हेल्थ डेटा को एआई आधारित जानकारीयों से जोड़ने के लिए विकसित हो रहा है। इससे यूज़र्स अपनी शारीरिक और मानसिक स्थिति को अधिक आसानी से और बेहतर तरीके से समझ सकेंगे। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कनेक्टेड गैलेक्सी इकोसिस्टम और डिजिटल हेल्थ इनोवेशन्स के आधार पर सक्रिय और व्यक्तिगत स्वास्थ्य प्रबंधन के अनुभवों का विस्तार करना जारी रखेगा। यह प्रगति वास्तव में एआई–संचालित हेल्थ प्लेटफ़ॉर्म के लिए सैमसंग के व्यापक दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिसे यूज़र्स को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और आगे रहने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। नए घोषित हेल्थ फीचर्स सबसे पहले आने वाली गैलेक्सी वॉच पर उपलब्ध होंगे।

कलर्स पर मचेगा बवाल, ‘बरेली के बच्चन’ परिवार करेगा धमाल!

बरेली अब सिर्फ अपने मशहूर झुमके के लिए नहीं, बल्कि बच्चन परिवार के लिए भी सुर्खियों में आने वाला है, जो ज़िंदगी को मजेदार अंदाज़ में ‘जुगाडू’ की फ़िल्मांस्फी से जी रहा है। एक जर्जर घर के दरवाजे खोलते हुए कलर्स लेकर आ रहा है नया ड्रामेडी शो ‘बरेली के बच्चन’, जहां दरारें गहरी हैं, अफ़रातफ़री हमेशा रहती है और बिगडी हुई परंपरा ही रिवाज बन चुकी है। स्वागत है बच्चन परिवार के घर में, जहां औरत का स्पर्श इतने सालों से ग़ायब है कि दीवारें भी उसे भूल चुकी हैं। इस घर के बीचोंबीच है कृष्णा, दूसरा बेटा, जिसे सब प्यार से बोल बच्चन कहते हैं पेशे से डाइवर, हमेशा दुल्हन ढूढ़ने का सपना देखने वाला और टूटते घर में भी स्वर्ग देखने वाला। सबसे बड़ा बेटा गंगा उफ़ भोले बच्चन है, जो घर का अनऑफिशियल मां जैसा किशरदार निभाता है, लेकिन उसकी कुर्बानियां अक्सर अनदेखी रह जाती हैं।

कूटनीति से ही समाधान संभव: यूएन से सम्मानित मेजर अभिलाषा का शांति संदेश, लेबनान के पुनर्निर्माण की बताई जरूरत

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। भारतीय सेना की मेजर अभिलाषा बराक ने लेबनान में शांति बहाली और पुनर्निर्माण के लिए कूटनीतिक प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने कहा है कि युद्ध प्रभावित देश में स्थायी शांति स्थापित करने के लिए बातचीत और युद्धविराम का जारी रहना बेहद जरूरी है। संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में तैनात मेजर बराक ने कहा कि संघर्ष समाप्त होने के बाद केवल सड़कों और घरों का पुनर्निर्माण ही नहीं, बल्कि युद्ध के मानसिक आघात से जुड़ा रहे लोगों को भी सामान्य जीवन में लौटाने की आवश्यकता होगी।

शुक्रवार को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मेजर बराक ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि बातचीत आगे बढ़ेगी, कूटनीति सक्रिय होगी और युद्धविराम जारी रहेगा। इसके बाद हम समुदाय के पुनर्निर्माण पर ध्यान दे सकेंगे। इसमें सिर्फ बुनियादी ढांचे का निर्माण नहीं, बल्कि लोगों के मनोवैज्ञानिक घावों को भरना भी शामिल है। मेजर

यूएन में पाकिस्तान ने फिर अलापा कश्मीर का राग; भारत ने लगाई कड़ी फटकार

संयुक्त राष्ट्र एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा में एक बार फिर भारत ने पाकिस्तान को जमकर लताड़ा। दरअसल, महासभा में पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाकर भारत को घेरने की कोशिश की, लेकिन भारत ने तुरंत कड़ा जवाब देते हुए उसे फटकार लगा दी। भारत ने साफ कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सदस्यता कोई राजनीतिक प्रचार का मंच नहीं है और इसका इस्तेमाल झूठे और पक्षपातपूर्ण दावे फैलाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने दो दूक कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है और इस सच्चाई को कोई नहीं बदल सकता। पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र में क्या बयान दिया?

संयुक्त राष्ट्र महासभा में सुरक्षा

परिषद की वार्षिक रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि



आसिम इफ्तिखार अहमद ने जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया। पाकिस्तान लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर का मुद्दा उठाता रहा है। इस बार भी उसने संयुक्त राष्ट्र में वही कोशिश दोहराई। पाकिस्तान इस समय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अस्थायी सदस्य है और उसका कार्यकाल इसी साल खत्म होना है। भारत ने पाकिस्तान के

युद्धविराम के बीच फिर भड़का तनाव, हिजबुल्ला ने इस्त्राइली लड़ाकू विमानों पर दागीं मिसाइलें

तेल अवीव, एजेंसी। पश्चिम एशिया में शांति की कोशिशों के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। इस्त्राइली सेना ने दावा किया है कि हिजबुल्ला ने इस्त्राइली वायुसेना के विमानों को निशाना बनाकर सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें दागीं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब कुछ दिन पहले ही इस्त्राइल और लेबनान के बीच युद्धविराम लागू करने पर सहमति बनी थी। हमले के बाद उत्तरी इस्त्राइल के कई इलाकों में सायरन बज उठे और हजारों लोग बंकरों की ओर भागे। हालांकि इस्त्राइली सेना ने कहा कि इस घटना में किसी विमान को नुकसान नहीं पहुंचा और न ही कोई घायल हुआ।

इस्त्राइली रक्षा बल यानी आईडीएफ के मुताबिक, हिजबुल्ला ने इस्त्राइली वायुसेना के विमानों को निशाना बनाकर मिसाइलें दागीं। इसके बाद किरियत शमोना शहर और लेबनान सीमा से लगे आठ गांवों में एयर रेड सायरन बजाए गए। हमले के कारण पूरे इलाके में डर और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। लोगों को तुरंत सुरक्षित स्थानों और बंकरों में जाने के निर्देश दिए गए। हालांकि इस्त्राइल ने दावा किया कि उसकी वायुसेना के विमान सुरक्षित रहे और किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ। यह हमला ऐसे समय में हुआ जब अमेरिका की मध्यस्थता में हाल ही में युद्धविराम लागू करने पर सहमति बनी थी।

बुधवार को वॉशिंगटन में हुई त्रिपक्षीय वार्ता के बाद इस्त्राइल और लेबनान ने संघर्ष विराम लागू करने पर सहमति जताई थी। लेकिन

इसके बावजूद सीमा पर तनाव कम नहीं हुआ। ईरान समर्थित हिजबुल्ला लगातार इस्त्राइल के खिलाफ आक्रामक रुख बनाए हुए है। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने भी बयान दिया कि अमेरिका और इस्त्राइल के साथ संघर्ष विराम की शर्तों में लेबनान मोर्चे

पर पूर्ण युद्धविराम शामिल है। इससे साफ है कि लेबनान का मुद्दा अब सिर्फ दो देशों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसमें ईरान और क्षेत्रीय राजनीति की बड़ी भूमिका है। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने ईरान पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि लेबनान को अमेरिका और ईरान के बीच सौदेबाजी का मैदान नहीं बनाया जाना चाहिए। आउन ने साफ कहा कि लेबनानी लोग युद्ध से थक चुके हैं और अब शांति चाहते हैं। उन्होंने हिजबुल्ला प्रमुख नईम कासिम के बयानों की भी आलोचना

की। आउन ने कहा कि लेबनान के लोगों की इच्छा सबसे महत्वपूर्ण है, न कि किसी एक संगठन की। उन्होंने जोर देकर कहा कि लेबनान और इस्त्राइल के बीच संघर्ष का समाधान सिर्फ बातचीत से ही संभव है। पश्चिम एशिया पहले से ही इस्त्राइल, ईरान और ईरान समर्थित संगठनों के बीच संघर्ष का केंद्र बना हुआ है। ऐसे में हिजबुल्ला का ताजा हमला पूरे क्षेत्र में तनाव और बढ़ा सकता है। लेबनान के भीतर भी अब युद्ध और शांति को लेकर अलग-अलग आवाजें सामने आ रही हैं। एक तरफ हिजबुल्ला संघर्ष जारी रखने की बात कर रहा है, वहीं लेबनान सरकार बातचीत और स्थिरता पर जोर दे रही है।

पुतिन ने जेलेंस्की के प्रस्ताव को ठुकराया, कहा- ऐसी व्यक्तिगत मुलाकात कोई मतलब नहीं

सेंट पीटर्सबर्ग, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को यूक्रेनी समकक्ष वोलोदिमिर जेलेंस्की के मुलाकात के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। अपने गृह नगर सेंट पीटर्सबर्ग में आयोजित अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मंच को संबोधित करते हुए पुतिन ने जेलेंस्की के उस खुले पत्र को ‘असंभ्य’ बताया, जिसमें उन्होंने दोनों नेताओं की मुलाकात का प्रस्ताव दिया था।

पुतिन ने कहा, क्या यह व्यक्तिगत मुलाकातों और बातचीत के लिए परिस्थितियां बनाने का तरीका है या ऐसा माहौल तैयार करने का तरीका है जिसमें किसी भी व्यक्तिगत मुलाकात को असंभव बना दिया जाए? उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि यह दूसरा मामला है। पुतिन ने यह भी कहा कि उन्हें ऐसी मुलाकात में कोई फायदा नजर नहीं आता।

पत्रकारों से बातचीत में पुतिन ने यह भी कहा कि रूस उन प्रस्तावों के आधार पर समझौते के लिए तैयार है, जिन पर ट्रंप के साथ अलास्का के एंकोरेज में हुई बैठक में चर्चा की गई थी। उन्होंने कहा कि रूस उन ‘समझौतों’ को मानने को तैयार है। लेकिन यूक्रेन को भी इन्हें स्वीकार करना होगा, तभी संघर्ष जल्दी खत्म हो सकता है।

पुतिन ने यह भी दावा किया कि रूसी सेना ने हाल ही में करीब 2440 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर नियंत्रण कर लिया है और कई मोर्चों पर आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि लुहंस्क क्षेत्र करीब 85 फीसदी और जापोरिजिया का करीब 80 फीसदी

ईद मनाने निकले लेकिन...सहारा रेगिस्तान में फंस गया ट्रक, 49 लोगों की तड़प-तड़प कर मौत

नियामे, एजेंसी। पश्चिम अफ्रीकी देश निगर में एक भयावह मानवीय त्रासदी सामने आई है। सहारा रेगिस्तान के निर्जन इलाके में ट्रक खराब हो जाने के बाद कम से कम 49 लोगों की प्यास से मौत हो गई। मृतक ईद-उल-अजहा मनाने के लिए अपने परिवारों के पास लौट रहे थे। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, यह घटना टनेरने रेगिस्तान क्षेत्र में हुई, जो अस्माक से लगभग 80



किलोमीटर पश्चिम में स्थित है। यात्रियों का ट्रक तलहंडेक से नाइजर की ओर आ रहा था। यह इलाका सहारा रेगिस्तान के सबसे कठिन और निर्जन क्षेत्रों में गिना जाता है। अधिकारियों के मुताबिक ट्रक बीच रास्ते में खराब हो गया। चालक, उसके सहायकों और यात्रियों ने वाहन ठीक करने की कोशिश की। कई दिनों तक प्रयास जारी रहे, लेकिन ट्रक चालू नहीं हो सका। इलाके में पानी या भोजन का कोई स्रोत नहीं था। तापमान बेहद अधिक था और आसपास सहायता पहुंचने का कोई साधन नहीं था। धीरे-धीरे यात्रियों का पानी खत्म हो गया और वे प्यास तथा गर्मी की चपेट में आ गए। इस दर्दनाक घटना में केवल दो लोग जीवित बच पाए। दोनों ने लगभग 50 किलोमीटर से अधिक दूरी पैदल तय कर एक जल स्रोत तक पहुंचने में सफलता हासिल की। इसके बाद वे अस्माक पहुंचे और अधिकारियों को हादसे की सूचना दी। जब बसक दल मौके पर पहुंचा तो वहां का दृश्य बेहद भयावह था। अधिकारियों ने बताया कि ट्रक के नीचे और आसपास दर्जनों शव दफे मिले। कई लोग वाहन की छाया में बचने की कोशिश करते हुए दर्द तोड़ चुके थे। बचाव दल ने मृतकों को सामूहिक कब्रों में दफनाया। यह क्षेत्र अफ्रीका से यूरोप की ओर जाने वाले पारवियांयों और शरणार्थियों का प्रमुख मार्ग माना जाता है।

भारत-ब्रिटेनएफटीए से मध्यस्थता के क्षेत्र को मिलेगी नई गति, सीजेआई सूर्यकांत का बयान

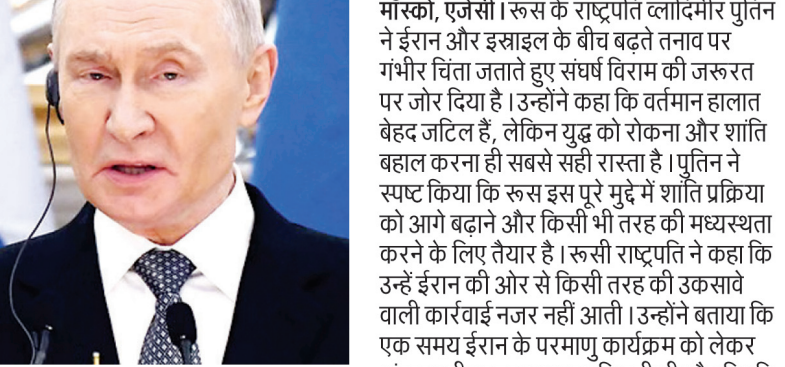
लंदन, एजेंसी। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने भारत और ब्रिटेन के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को दोनों देशों के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बताया है। उन्होंने कहा कि यह समझौता मध्यस्थता और सुलह के क्षेत्र में सह-निर्माण के लिए एक मजबूत व्यावसायिक आधार तैयार करता है। लंदन में शुक्रवार को भारतीय मध्यस्थता परिषद (आईसीए) की ओर से आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए सीजेआई सूर्यकांत ने समान अवसर सुनिश्चित करने और विवादों के मूल्य और तात्कालिकता के अनुरूप प्रक्रियाओं को अपनाने का आह्वान किया। सम्मेलन का विषय था—वैकल्पिक विवाद समाधान : भारत-ब्रिटेन आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने का उत्प्रेरक। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जैसे-जैसे दोनों अर्थव्यवस्थाएं अपनी व्यावसायिक साझेदारी को गहरा कर रही हैं, वैसे-वैसे विवाद समाधान तंत्र में भरोसा होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सीजेई के कार्यक्रम में सवाल पूछने से रोका सीजेआई सूर्यकांत ने यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के बिकंबेक कॉलेज के कार्यक्रम में कृत्रिम बुद्धिमता और अंतरराष्ट्रीय कानून विषय पर व्याख्यान दिया। व्याख्यान के बाद प्रश्नोत्तरी सत्र में एक महिला ने भारत में असहमति को लेकर बढ़ती चिंताओं का मुद्दा उठाने की कोशिश की। उसने कहा कि देश और विदेश के कई कानूनी विशेषज्ञ भारत में असहमति के प्रति बढ़ती नाराजगी को लेकर चिंता जता रहे हैं। हालांकि, सवाल पूरा होने से पहले ही कार्यक्रम के संचालक ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि कार्यक्रम का विषय एआई और अंतरराष्ट्रीय कानून है, इसलिए यह सवाल नहीं लिया जाएगा। लंदन में भारतीय उच्चायोग ने इस घटना की निंदा करते हुए इसे अशोभनीय व्यवहार बताया।



भारत-ब्रिटेन आर्थिक साझेदारी को मजबूत करने का उत्प्रेरक। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जैसे-जैसे दोनों अर्थव्यवस्थाएं अपनी व्यावसायिक साझेदारी को गहरा कर रही हैं, वैसे-वैसे विवाद समाधान तंत्र में भरोसा होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सीजेई के कार्यक्रम में सवाल पूछने से रोका सीजेआई सूर्यकांत ने यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के बिकंबेक कॉलेज के कार्यक्रम में कृत्रिम बुद्धिमता और अंतरराष्ट्रीय कानून विषय पर व्याख्यान दिया। व्याख्यान के बाद प्रश्नोत्तरी सत्र में एक महिला ने भारत में असहमति को लेकर बढ़ती चिंताओं का मुद्दा उठाने की कोशिश की। उसने कहा कि देश और विदेश के कई कानूनी विशेषज्ञ भारत में असहमति के प्रति बढ़ती नाराजगी को लेकर चिंता जता रहे हैं। हालांकि, सवाल पूरा होने से पहले ही कार्यक्रम के संचालक ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि कार्यक्रम का विषय एआई और अंतरराष्ट्रीय कानून है, इसलिए यह सवाल नहीं लिया जाएगा। लंदन में भारतीय उच्चायोग ने इस घटना की निंदा करते हुए इसे अशोभनीय व्यवहार बताया।

पुतिन बोले- ईरान और इस्त्राइल के बीच युद्ध रोकना समय की जरूरत, शांति बहाली में रूस देगा सहयोग

मॉस्को, एजेंसी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान और इस्त्राइल के बीच बढ़ते तनाव पर गंभीर चिंता जताते हुए संघर्ष विराम की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान हालात बेहद जटिल हैं, लेकिन युद्ध को रोकना और शांति बहाल करना ही सबसे सही रास्ता है। पुतिन ने स्पष्ट किया कि रूस इस पूरे मुद्दे में शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने और किसी भी तरह की मध्यस्थता करने के लिए तैयार है। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें ईरान की ओर से किसी तरह की उकसावे वाली कार्रवाई नजर नहीं आती। उन्होंने बताया कि एक समय ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहमति बनी थी और स्थिति नियंत्रण में थी, लेकिन बाद में हालात पूरी तरह बदल गए। पुतिन ने बताया कि ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत में लगातार संयम बरतने की अपील की जा रही है। हालांकि ईरान का कहना है कि उन पर हमले हो रहे हैं और उनके लोगों की मौतें हो रही हैं, ऐसे में जवाबी कार्रवाई करना उनकी मजबूरी बन गई है। पुतिन ने माना कि यह स्थिति बेहद संवेदनशील और जटिल है, जिसमें हर पक्ष अपनी-अपनी सुरक्षा चिंताओं के साथ काम कर रहा है।



खत्म करने के लिए आपसी समझौता किया जाए। पुतिन के अनुसार रूसी सेना हर मोर्चे पर आगे बढ़ रही है। इससे पहले जेलेंस्की ने पुतिन को एक खुला पत्र लिखा था। जेलेंस्की ने दोनों नेताओं के बीच सीधी बैठक की अपील की थी, ताकि युद्ध को शांतिपूर्ण तरीके से खत्म किया जा सके। जेलेंस्की ने कहा था, शांति तभी संभव है जब दोनों देश सीधे बातचीत करें। उन्होंने पूर्ण युद्धविराम की भी अपील की थी। उन्होंने कहा कि इसकी पुष्टि की थी कि उसे यह पत्र मिला है।

जिनपिंग के दौरे से पहले किम जोंग का शक्ति प्रदर्शन, नए युद्धपोत की दिखाई झलक; कई बड़े एलान भी

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया के लीडर किम जोंग उन ने देश के नए 5,000 टन क्षमता वाले विध्वंसक युद्धपोत ‘कांग कोन’ के समुद्री परीक्षणों का निरीक्षण किया। साथ ही उन्होंने परमाणु हथियारों से लैस नौसेना के निर्माण की योजना को और तेज करने का संकल्प जताया। सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए के अनुसार, किम ने गुरुवार को युद्धपोत का दौरा किया और कहा कि उत्तर कोरिया को ऐसी नौसैनिक शक्ति विकसित करनी होगी जो किसी भी समय समुद्र के ऊपर या नीचे से दुश्मन को करारा जवाब देने में सक्षम हो।

किम ने बताया कि सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की नई पांच वर्षीय रक्षा योजना में नौसेना के आधुनिकीकरण को प्राथमिकता दी गई है। इसके तहत 10,000 टन श्रेणी के बड़े युद्धपोतों के निर्माण और नए प्रकार के पानी के भीतर संचालित हथियार विकसित करने की योजना है। उन्होंने कहा कि देश की परमाणु प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने में नौसेना की भूमिका लगातार बढ़ेगी। इस दौरान किम की किशोर बेटी किम जु ए भी उनके साथ दिखाई दीं। दक्षिण कोरियाई अधिकारियों का मानना है कि उन्हें भविष्य के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में तैयार किया जा रहा है।

चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग करने वाले हैं उत्तर कोरिया का दौरा यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग सोमवार को उत्तर कोरिया की यात्रा करने वाले हैं। हाल ही में उत्तर कोरिया ने एक नए यूरेनियम संवर्धन केंद्र का भी खुलासा किया था, जहां किम ने देश की परमाणु क्षमता को ‘तेजी से बढ़ाने’ का संकल्प व्यक्त किया था।

कांग कोन उत्तर कोरिया का दूसरा नया विध्वंसक युद्धपोत है। पिछले वर्ष इसके लॉन्चिंग समारोह के दौरान तकनीकी गड़बड़ी के कारण इसे नुकसान पहुंचा था, जिसके बाद किम ने घटना को अपराध करार दिया था। मरम्मत के बाद इसे दोबारा लॉन्च किया गया, हालांकि कुछ विशेषज्ञ अब भी इसकी पूर्ण परिचालन क्षमता पर सवाल उठा रहे



अभिलाषा बराक को हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की ओर से वर्ष 2025 का ‘मिलिट्री जेंडर एडवोकेट ऑफ द ईयर’ पुरस्कार प्रदान किया गया। उनकी सराहना करते हुए गुटेरेस ने उन्हें एक आदर्श उदाहरण बताया और कहा कि उन्होंने अग्रिम मोर्चे पर कमांडर के रूप में हजारों महिलाओं और लड़कियों तक पहुंच बनाकर शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है।

मेजर बराक वर्तमान में लेबनान में संयुक्त राष्ट्र

दो सप्ताहकी गिरावट के बाद विदेशी मुद्रा भंडार में 938 मिलियन बढ़ोतरी

मुंबई, एजेंसी। पिछले महीने देखे तो लगातार दो सप्ताह से अपने विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट ही हो रही थी। लेकिन पिछले सप्ताह इसमें गिरावट थमी। उस दौरान भंडार में 938 मिलियन की बढ़ोतरी हुई। यह बढ़ोतरी तब देखी गई है जबकि रिजर्व बैंक ने रुपये को स्टैबल रखने में करीब पांच अरब डॉलर की रवैपिंग की। इससे एक सप्ताह पहले अपने विदेशी मुद्रा भंडार में 7.5 1



बिलियन की गिरावट हुई थी। भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 29 मई 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 938 की बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें 7.5 11 की गिरावट हुई थी। अब अपना विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ कर 682.321 का हो गया है। इससे पहले 27 फरवरी 2026 को अपना भंडार 728.494 के ऑल टाइम हाई पर था। रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 29 मई 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियों में 3.116 की बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले 2.872 की कमी हुई थी। अब अपना एफसीए भंडार बढ़ कर 546.148 का हो गया है। उल्लेखनीय है कि देश के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है।

गोल्ड रिजर्व में कमी

आलोच्य सप्ताह के दौरान सोने के वैल्यू में गिरावट हुई है। इससे रिजर्व बैंक के सोने के भंडार की वैल्यू में 2.186 की कमी आई। अब अपने सोने के भंडार की वैल्यू घट कर 1.12.600 का रह गया है। उल्लेखनीय है कि मार्च 2026 के अंत में आरबीआई के पास सोने का भंडार 880.52 टन का हो गया है। यह देश के कुल फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व का करीब 16.7 प्रतिशत बैठता है। इसके मूल्य में कमी होती है यह कुल विदेशी मुद्रा भंडार को प्रभावित करता है।

भेल और सेल के ‘महारत्न’ स्टेट्स पर खतरा

नई दिल्ली एजेंसी।: केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की दो बड़ी कंपनियों भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (और स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड को उनके खराब वित्तीय प्रदर्शन को लेकर एक साल का अल्टीमेटम दिया है। आधिकारिक दस्तावेजों के मुताबिक, अगर एक साल के भीतर इनके प्रदर्शन में सुधार नहीं हुआ, तो इनसे महारत्न का प्रतिष्ठित दर्जा छीनकर इन्हें नवरत्न कैटेगरी में डाल दिया जाएगा।

यह देश में पहला ऐसा मामला है जब किसी महारत्न कंपनी को दर्जा घटाने की चेतावनी के साथ नोटिस पर रखा गया है। कैबिनेट सचिव टी. वी. सोमनाथन की अध्यक्षता वाली समिति ने यह सख्त सिफारिश की है।

क्यों आई ऐसी नौबत

एक सरकारी मूल्यांकन के अनुसार भेल और सेल पिछले तीन वर्षों के दौरान 5,000 करोड़ रुपये से अधिक का औसत वार्षिक शुद्ध लाभ दर्ज करने के अनिवार्य नियम को पूरा करने में विफल रही हैं। इस कारण इन



कंपनियों से ‘महारत्न’ स्टेट्स छिनेने का खतरा मंडराया है।

14 में से सिर्फ 2 खरी उतरीं- देश की कुल 14 महारत्न कंपनियों में से केवल यही दो कंपनियां इस पैमाने पर खरी नहीं उतरीं।



सरकार ने नियमों को किया कड़ा- सरकार ने केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए वार्षिक प्रदर्शन नियमों को और कड़ा कर दिया है। कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (दायित्वों को पूरा न करने

दर्जा घटने से कंपनियों पर क्या असर पड़ेगा

यदि इन कंपनियों का महारत्न का दर्जा घटाकर नवरत्न किया जाता है, तो इनके बोर्ड की स्वायत्तता काफी कम हो जाएगी। महारत्न कंपनियां सरकार की मंजूरी के बिना 5,000 करोड़ रुपये तक का निवेश कर सकती हैं। वहीं नवरत्न कंपनियों के लिए यह सीमा केवल 1,000 करोड़ रुपये है।

5 साल में 1.44 लाख की गारंटी

● नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट सरकार की छोटी बचत स्कीमों में से एक



नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट सरकार की छोटी बचत स्कीमों में से एक है। यह ऐसे निवेशकों में काफी लोकप्रिय है जो कम जोखिम लेना चाहते हैं। साथ ही जो सरकार समर्थित निवेश विकल्प की तलाश में हैं। जब शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव हो और बैंकों में फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) की दरें कम हों तो एनएससी उन निवेशकों को आकर्षक ब्याज दरें देता है जो लंबे समय के

निवेश का विकल्प ढूंढ रहे हैं।

एनएससी पर अभी 7.7 प्रतिशत की दर से ब्याज मिलता है। कई बैंकों की ओर से पांच साल की एफडी पर दी जाने वाली दरों से यह ज्यादा है। चूंकि एनएससी में निवेश करने पर पूरी अवधि के लिए ब्याज दर तय रहती है। इसलिए निवेशक आसानी से पता लगा सकते हैं कि पांच साल बाद मैच्योरिटी पर उन्हें कितनी रकम मिलेगी, चाहे भविष्य में ब्याज दरें कैसे भी बदलें।

जा सकता है। शर्त यह है कि ट्रांसफर लेने वाला व्यक्ति एनएससी योजना के तहत योग्य हो, जैसे कि इन मामलों में : सिंगल अकाउंट के मामले में अकाउंट होल्डर की मौत होने पर या जॉइंट अकाउंट के मामले में सभी अकाउंट होल्डर्स की मौत होने पर रकम कानूनी वारिसों या नॉमिनी को ट्रांसफर कर दी जाएगी। कोर्ट के आदेश पर, गिरवी रखने की स्थिति में या जॉइंट अकाउंट के किसी खाताधारक की मृत्यु होने पर अकाउंट बचे हुए खाताधारक या खाताधारकों के नाम पर ट्रांसफर कर दिया जाएगा।

● **अकाउंट को समय से पहले बंद करने के नियम** – अकाउंट को मैच्योरिटी से पहले बंद नहीं किया जा सकता, सिवाय इन मामलों के :सिंगल अकाउंट में खाताधारक की मृत्यु होने पर या जॉइंट अकाउंट में किसी भी या सभी खाताधारकों की मृत्यु होने पर।

जीएमपी कर रहा इशारा, 127 गुना लगा है दांव



के शेयर 263 रुपये पर लिस्ट हो सकते हैं। आईपीओ में कंपनी के शेयरों का अल्टीमेटम 8 जून को फाइनल होगा। वहीं, कंपनी के शेयर 10 जून को बाजार में

लिस्ट होंगे। सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज दोनों जगह लिस्ट होंगे।

क्या करती है सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज

सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड की शुरुआत साल 2006 में हुई है। सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज एक नॉन-फेरस मेटल रिसाइक्लर कंपनी है। एल्युमीनियम और जिंक डाई-कास्टिंग एलॉयज में कंपनी का स्पेशलाइजेशन है। कंपनी रिसाइक्ल्ड एल्युमीनियम एलॉय, जिंक एलॉय इंगट्स और स्टैनलेस स्टील, कॉपर, ब्रॉस, जिंक, लेड और एल्युमीनियम के सेग्रेगेटिड फर्नेस रेडी स्क्रेप की मैन्युफैक्चरिंग करती है। इसके अलावा, सीएमआर ग्रीन टेक्नोलॉजीज एल्युमीनियम बिलेट्स का प्रोडक्शन करती है, जो कि ऑटोमोटिव और नॉन-ऑटोमोटिव सेक्टर्स दोनों की जरूरतों को पूरा करते हैं। 31 दिसंबर 2025 तक के डेटा के मुताबिक, कंपनी में 784 परमानेंट एम्प्लॉयीज और 3956 कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स हैं।

नवजात शिशुओं के खून में मिल रहे हैं प्लास्टिक के माइक्रो पार्टिकल्स

बायोप्लास्टिक अपनाने का समय आ गया!

नई दिल्ली, एजेंसी। यह सुनने में बेहद डरावना लगता है, लेकिन यह सच्चाई है। जी हां, प्लास्टिक का उपयोग करते करते हम इतने तल्लीन हो गए हैं कि कैसे इसके माइक्रो पार्टिकल्स हमारे शरीर में घुस गए, पता ही नहीं चला। स्थिति तो यह है कि नवजात शिशुओं के खून में भी प्लास्टिक के बहुत ही छोटे या माइक्रो पार्टिकल्स मिल रहे हैं। इसलिए समय आ गया है कि बायो-प्लास्टिक अपनाया जाए। यह कहना है देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का। अवसर था बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड और लखनऊ छवनी बोर्ड के साथ बायोयुग ग्रीन कमांड 2026 के लॉन्चिंग का।

उद्योग जगत ने बढ़ाया हाथ

जीवन के हर क्षेत्र में प्लास्टिक की बढ़ती घुसपैठ को देखते हुए बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड ने पहल की है। कंपनी का दावा है कि यह भारत का पहला ऐसा प्लेटफॉर्म है जो बायोप्लास्टिक इको-सिस्टम को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।



इस पहल के तहत लखनऊ छवनी बोर्ड के साथ बीसीएमएल का एमओयू हुआ। इसका उद्देश्य दैनिक जीवन में प्लास्टिक के बदले बायोप्लास्टिक के उपयोग को बढ़ावा देना।

माइक्रोप्लास्टिक से हर साल लाखों मौत- वह कहते हैं ‘ मैं कोई डरावनी कहानी यहां पर नहीं बता रहा हूं, बल्कि यह वैज्ञानिक तथ्य है जो अब हर दिन नए-नए सामने ला रहे हैं।

बलरामपुर चीनी मिल्स शेयर का भाव

शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजारों में गिरावट दिखी थी। बीएसई सेंसेक्स 116 अंक गिर कर बंद हुए थे। तब भी बलरामपुर चीनी मिल्स के शेयरों में तेजी दिखी।

सुधार के लिए मंत्रालयों की क्या है योजना

भारी उद्योग मंत्रालय और इस्पात मंत्रालय को निर्देश दिया गया है कि वे मुनाफे को बढ़ाने के लिए एक विस्तृत टर्नअराउंड प्लान यानी सुधार योजना पेश करें। इस्पात मंत्रालय ने बताया कि सेल का औसत वार्षिक टर्नओवर पिछले 4 वर्षों में 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक और औसत नेटवर्थ 53,976 करोड़ रुपये रही है। हालांकि, तीन साल के औसत मुनाफे का 5,000 करोड़ रुपये वाला पैमाना कंपनी ने आखिरी बार 2022-23 में छुआ था, जिसके बाद स्टील की कीमतों में उतार-चढ़ाव से मुनाफा घटा। नीति आयोग ने पाया कि भेल की मानव संसाधन नीतियां उसकी ग्रोथ में सबसे बड़ी बाधा हैं, जिनमें बड़े सुधार की जरूरत है। भारी उद्योग मंत्रालय ने भरोसा दिया है कि भेल के वित्तीय प्रदर्शन को सुधारने के लिए एक नई योजना पर काम शुरू कर दिया गया है और इसके मुनाफे में सुधार भी दिखने लगा है।

8वें पे कमीशन से मिलेगा कर्मचारियों को पुरानी पेंशन का तोहफा, खत्म होगा एनपीएस

नईदिल्ली, एजेंसी। 8वें पे कमीशन की मीटिंग्स शुरू हो गई है। एक बार फिर से पुरानी पेंशन की मांग भी इसी के साथ तेज हो गई है। कर्मचारी संगठन एनपीएस को वापस लेने और ओल्ड पेंशन स्कीम को बहाल करने की मांग लगातार कर रहे हैं। हालांकि, मौजूदा परस्थितियों को अगर देखें तो पुरानी पेंशन अब दूर की कोड़ी

लेकिन कर्मचारी पुरानी पेंशन स्कीम की बहाली की मांग लगातार कर रहे हैं। इसके पीछे की वजह सामाजिक सुरक्षा है। पुरानी पेंशन स्कीम में महंगाई के साथ-साथ पेंशन भी बढ़ती रहती है। इससे पेंशनधारकों को बड़ी वित्तीय सुरक्षा मिल जाती है।

क्यों पुरानी पेंशन स्कीम पर जाना है कठिन- बीते 20 साल



साबित हो रही है। साथ ही एनपीएस की वापसी का भी संकेत कम ही मिल रहा है। इस योजना के तहत कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद जीवन पर्यंत तय पेंशन दी जाती है। इसमें महंगाई भत्ता भी जुड़ा रहता है। यानी जब-जब महंगाई बढ़ेगा तब-तब पेंशन भी बढ़ेगी। ओल्ड पेंशन स्कीम क्यों वापस चाहते हैं कर्मचारी- मौजूदा समय में एनपीएस और यूपीएस की व्यवस्था सरकार की तरफ से कर्मचारियों को दी जा रही है।

में एनपीएस में सरकार और कर्मचारियों ने 16.50 लाख करोड़ रुपये का योगदान कर दिया है। ऐसे में अगर एनपीएस को रद्द करके पुरानी पेंशन स्कीम की तरफ जाया जाता है तो इससे वित्तीय नुकसान काफी अधिक होगा। एनपीएस का फंड एलीआईसी, एसबीआई, यूसीआई और अन्य सरकारी लिक्विड वित्तीय संस्थाओं के जरिए निवेश किया जाता है। ऐसे में एक झटके में पैसा निकाला नहीं जा सकता है।

8वें वित्त आयोग के 6 महीने बीत गए

सरकार पे कमीशन का गठन नवंबर 2025 में किया था। अब 6 महीने का समय बीत चुका है। आयोग के पास 18 महीने का समय है। इस दौरान ही उसे अपनी रिपोर्ट देनी होगी। पे कमीशन की तरफ से प्रक्रियाओं में तेजी लाई गई है। देश के अलग-अलग हिस्सों में मीटिंग्स की जा रही है। जिससे एक समावेशी रिपोर्ट तैयार किया जा सके। कर्मचारियों की बीच इस समय फिटमेंट फैक्टर्स को लेकर खूब चर्चा है। क्योंकि फिटमेंट फैक्टर ही है जिसके जरिए सरकारी कर्मचारियों की सैलरी का निर्णय होगा। कुछ कर्मचारी संगठनों ने 4 फिटमेंट फैक्टर की मांग की है। अब देखना है कि पे कमीशन कितना फिटमेंट फैक्टर रखने की सलाह देता है।

अडानी की कंपनी के बेचे

गए 5750 करोड़ के शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की दिग्गज निवेश कंपनी लक्ष्म पार्टनर्स ने लगभग 5,750 करोड़ रुपये के ब्लॉक डील के जरिए अडानी ग्रुप की दो कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी कम की है। यह पूरी हिस्सेदारी म्यूचुअल फंड ने खरीद ली है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज यानी इस्त्र के ब्लॉक डील डेटा के अनुसार पार्टनर्स इमर्जिंग मार्केट्स इक्विटी फंड ने अडानी एंटरप्राइजेज और अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर बेचे। इस डील के तहत अडानी एंटरप्राइजेज के 1.64 करोड़ शेयर 2,913.4 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बेचे गए। इस तरह, डील की कुल वैल्यू लगभग 4,789 करोड़ रुपये रही। वहीं, लक्ष्म ने

कंपनी के बारे में

अडानी एंटरप्राइजेज की बात करें तो इस ग्रुप की मुख्य कंपनी है। यह एयरपोर्ट, सड़क, ग्रीन हाइड्रोजन, डेटा सेंटर और माइनिंग सर्विस जैसे कई तरह के बिजनेस चलाती है। अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस भारत की सबसे बड़ी प्राइवेट-सेक्टर ट्रांसमिशन कंपनियों में से एक है और स्मार्ट मीटरिंग और डिस्ट्रीब्यूशन इंफ्रास्ट्रक्चर में अपनी मौजूदगी बढ़ा रही है।

अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस के 63.66 लाख शेयर 1,504.8 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बेचे, जिनकी कुल वैल्यू लगभग 958 करोड़ रुपये थी। इन दोनों डील की कुल वैल्यू लगभग 5,747 करोड़ रुपये थी। यह हिस्सेदारी बिक्री अडानी ग्रुप के शेयरों में पिछले एक साल में आई जबरदस्त तेजी के बाद हुई है। बता दें कि वर्ष 2023 में अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के बाद अडानी समूह के शेयरों में भारी गिरावट आई थी लेकिन उसके बाद कई कंपनियों ने मजबूत वापसी की है। उन शुरुआती बड़े संस्थागत निवेशकों में शामिल था जिसने हिंडनबर्ग विवाद के बाद अडानी समूह पर भरोसा जताया था।

